साप्ताहिक

पंजियन क्रमांक – mphin / 2018/ 76962

नीमच हेडलाइन्स

संस्थापक – स्व॰ इन्द्रदेव जी जाजपुरा

संपादक अविनाश जाजपुरा

वर्ष -03 | अंक - 17 | बुधवार 02 / 09 / 2020 | पृष्ठ - 4 | मूल्य - 5 रूपए

सम्पादकीय

पुत्र मोह में फंसी कांग्रेस

सोनिया गांधी कांग्रेस के भविष्य को लेकर वाकई चिंतित हैं तो उन्हें पुत्र मोह त्यागकर अपने वरिष्ठ नेताओं के पत्र पर गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए। गुलाम नबी आजाद, कपिल सिब्बल, आनंद शर्मा, मुकुल वासनिक, मनीष तिवारी समेत कांग्रेस पार्टी के 23 नेताओं ने पूर्णकालिक अध्यक्ष की कमी को लेकर सोनिया गांधी को जो पत्र लिखा और जिसे मीडिया में लीक भी किया गया, उसे लेकर अभी भी उथल–पुथल जारी है। हालांकि कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में इन नेताओं के रवैये की आलोचना की गई और फिर उन्हें अपनी सीमा में रहने का संदेश देने के लिए लोकसभा और राज्यसभा में उन नेताओं को अहम जिम्मेदारी दी गई, जो राहुल गांधी के करीबी माने जाते हैं, फिर भी पत्र लिखने वाले नेता अपने रुख पर अडिग हैं। इसकी प्रशंसा करनी होगी कि इन नेताओं ने सही बात कहने का साहस दिखाया। इससे इन्कार नहीं कि कांग्रेस पार्टी गांधी परिवार पर आश्रित है, लेकिन इसका यह भी मतलब नहीं कि पार्टी को कामचलाऊ ढंग से चलाया जाए। लेकिन राहुल गांधी द्वारा अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद से ऐसा ही किया जा रहा है। राहुल के इस्तीफा देने के बाद जब सोनिया को अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया, तब यह माना गया था कि कांग्रेस जल्द ही पूर्णकालिक अध्यक्ष का चयन करेगी और हो सकता है कि वह गांधी परिवार के बाहर का कोई सदस्य हो, लेकिन एक वर्ष बीत गया और कुछ भी नहीं हुआ। इससे यही संकेत मिला कि गांधी परिवार यथास्थिति कायम रखना चाह रहा है। इसकी पुष्टि राहुल की ओर से बिना कोई पद लिए पार्टी के फैसले लेते रहने से भी हुई है। राहुल गांधी पार्टी को कोई दिशा नहीं दे पा रहे, इसकी पुष्टि ज्योतिरादित्य सिंधिया और कुछ अन्य नेताओं के कांग्रेस छोड़ने से तो हुई ही, राजस्थान कांग्रेस में कुछ समय पूर्व उभरे संकट से भी हुई, जो जरूरत से ज्यादा लंबा खिंचा। हालांकि कांग्रेस के कई नेता राहुल को फिर से पार्टी अध्यक्ष बनाने की मांग कर रहे हैं, लेकिन इस मांग को वरिष्ठ नेता अपना समर्थन नहीं दे रहे हैं। दरअसल, वे राहुल के नेतृत्व में पार्टी का भविष्य उज्ज्वल नहीं देख रहे हैं। राहुल की राजनीति का एकमात्र मकसद प्रधानमंत्री मोदी पर लांछन लगाना नजर आता है। उनके ट्वीट और बयान यदि कुछ कहते हैं तो यही कि उनकी राजनीति प्रधानमंत्री मोदी को नीचा दिखाने पर केंद्रित है। उनके इस रवैये से कांग्रेस का नुकसान ही हुआ है, क्योंकि राहुल के मुकाबले प्रधानमंत्री मोदी की साख कई गुना अधिक है। राहुल ने न तो 2014 की पराजय से कोई सबक सीखा और न ही 2019 की हार से। कांग्रेस ने 2019 के लोकसभा चुनाव उनके ही नेतृत्व में लड़े थे। चुनावों के दौरान राहुल ने राफेल सौदे को तूल देकर प्रधानमंत्री मोदी पर खूब अमर्यादित हमले किए, लेकिन नतीजे में कांग्रेस को एक और करारी हार मिली। इस हार से शर्मिंदा होकर उन्होंने अध्यक्ष पद से इस्तीफा तो दे दिया, लेकिन उन तौर–तरीकों को नहीं छोड़ा जो उनकी छवि के साथ कांग्रेस पर भी भारी पड़ रहे हैं।राहुल की अपरिपक्व राजनीति से कांग्रेस के तमाम नेता सहमत नहीं, लेकिन इसके बावजूद वह अपनी जिद पर अड़े हैं। शायद इसलिए कि उनकी चाटुकारिता करने वाले उन्हें इसके लिए शाबासी देते हैं कि वह मोदी पर हमला करके बिल्कुल सही कर रहे हैं। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में यह फैसला अवश्य लिया गया कि छह महीने में पूर्णकालिक अध्यक्ष की खोज की जाएगी, लेकिन इसमे संदेह है कि यह वैसे हो सकेगा जैसे कांग्रेस के 23 नेता चाह रहे हैं। भले ही राहुल यह कह रहे हों कि वह अध्यक्ष नहीं बनना चाहते और प्रियंका गांधी भी कह चुकी हों कि अध्यक्ष परिवार से बाहर का बनना चाहिए, लेकिन एक गुट राहुल को ही अध्यक्ष बनाने की मांग कर रहा है। यह भी साफ है कि 23 कांग्रेसी नेताओं का पत्र राहुल गांधी का खुला विरोध है। इस विरोध की वजह उनका यह यकीन है कि कांग्रेस सरीखे दल का संचालन करना राहुल के बस की बात नहीं और उनके नेतृत्व में 2024 के चुनावों में पार्टी को कुछ हासिल होने वाला नहीं है। यदि सोनिया गांधी कांग्रेस के भविष्य को लेकर वास्तव में चिंतित हैं तो उन्हें पुत्र मोह त्यागकर अपने वरिष्ठ नेताओं के पत्र पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।

नीमच नगरपालिका चल रही राम भरोसे अफसर शाही हावी - पुर्व पार्षद

नीमच नगरपालिका बीते आठ माह से राम भरोसे चल रही है। भ्रष्टाचार के मामले तो तुरंत हो जाते है, लेकिन जनहित के मामले लंबित ही रहते है। जनप्रतिनिधियों का कार्यकाल खत्म होने के कारण अधिकारी और कर्मचारी निरंकुश हो गए है, कलेक्टर प्रशासक के रूप में है, लेकिन नगरपालिका में एक बार भी यह बातपूर्व पार्षद महेंद्र मोनू लोक्स ने कही। श्री लोक्स ने कहा कि नगरपालिकाकलेक्टर जितेंद्रसिंह राजे एक बार भी नहीं आए है। इस स्थिति को लेकर नगरपालिका में अफसरशाही हावी हो गई है। कलेक्टर को अगर समय नहीं है तो वे किसी अधिकारी को अस्थाई रूप से नियुक्त कर सकते है, जिससे कि नगरपालिका में प्रशासक का नियंत्रणहो। में पिछले कई माह से लचर व्यवस्था चलरही है। व्यवस्था के लिए प्रतिदिन काम सडक, बिजली और पानी, साफकृ सफाईआमजन का पडता है।

नगरपालिका में अधिकारीकृकर्मचारी कितनी बजे आते है,कितनी बजे जाते है, इसका कोई टाईम टेबल नहीं है। सभी मर्जी के मालिक बन बैठे है, कारण यह है कि एक बार भी प्रशासक का नहीं आना, इधर जनप्रतिनिधियों का कार्यकाल खत्म होने के बाद उनके पास कोई अधिकारी नहीं बचे है। इस स्थिति को लेकर नपा के अधिकारीकृ कर्मचारी निरंकुश हो गए है। कोई भी काम है तो नपा के अधिकारी कलेक्टर कार्यालय फाईल लेकर पहुंचते है। नपा इन दिनों कलेक्ट्रेट से ही चल रही है। प्रशासक को नपा के अधिकारी कर्मचारी गुमराह कर रहे है और जमीन घोटाले को अंजाम दिए जा रहे है।

तत्कालीन सीएमओ रीयाजुद्दीन कुरैशी ने रिटायर्ड होने के आखिरी के कुछ महिनों में जमकर भ्रष्टाचार किए। स्कीम नंबर ३४ , ३६ में कई भूखंड अवैध थे, जो वैध कर गए, उषा चिकित्सालय की विवादित जमीन को वैध कर गए, स्कीम नंबर ३६ बी में रामभरोसे के भूखंड क्रमांक १०५९ से लेनकृ देन कर अवैध तरीके से आवंटन कर गए। शहर के फव्वारा चौक के पास डोसी को निर्माण की अवैध रूप से अनुमति दे गए। कुरैशी के तमाम कारनामों की शिकायत कलेक्टर को की जाती है, जो कि प्रशासक है, वे जांच के आदेश देते है, जांच के नाम पर लीपापोती होती है। प्रशासन का भी कोई नियंत्रण नपा में नहीं है। सरेआम भ्रष्टाचार हो रहे है। भाजपा जनप्रतिनिधि को जनहित के मामले से कोई सराकोर नहीं श्री लोक्स ने बताया कि वर्तमान में भाजपा की सरकार है, भाजपा के सांसद और विधायक नपा नीमच में चल रही व्यवस्थाओं को लेकर नजरअंदाज कर रहे है और मूकदर्शक बनकर तमाशा देख रहे है। नगरपालिका में जमीन घोटाले हो रहे है, लेकिन कोई आवाज उठाने वाला नहीं है।

आज से शुरू पितृपक्ष पितृ का करे तर्पण

पूर्णिमा श्राद्ध आज 2 सितंबर को है और इसी दिन से श्राद्ध पक्ष प्रारंभ हो रहा है जो 17 सितंबर को समाप्त होगा। श्राद्ध पक्ष को पितृ पक्ष के नाम से जाना जाता है। हिन्दू पंचांग के अनुसार भाद्रपद पूर्णिमा को पूर्णिमा श्राद्ध होता है। पूर्णिमा के बाद एकादशी, द्वितीया, तृतीया, चतुर्थी, पंचमी, षष्टी, सप्तमी, अष्टमी, नवमी, दशमी, एकादशी, द्वादशी, त्रयोदशी, चतुर्दशी और अमावस्या श्राद्ध आता है। इन तिथियों में पूर्णिमा श्राद्ध, पंचमी, एकादशी और सर्वपितृ अमावस्या का श्राद्ध प्रमुख माना जाताहै। पूर्णिमा तिथि और सम – पितृपक्ष का आगमन राहु के नक्षत्र शतभिषा में हो रहा है और राहु के नक्षत्र में इस पक्ष का आरम्भ होना ज्योतिष की नजर में बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। पूर्णिमा तिथि 1 सितंबर 2020 को सुबह 09रू38 और कैसे पाएं आशीर्वाद –शास्त्रों के अनुसार, जो पूर्णिमा श्राद्ध ऋषियों को समर्पित होता है। हमारे पूर्वज जिनकी वजह से हमारा गोत्र है।हमारे पूर्वज पूर्णिमा के दिन चले गए हैं उनके बजे से शुरू होगी। जो 2 सितंबर 2020 को सुबह 10 53 बजे तक रहेगी। जानें पूर्णिमा श्राद्ध विधिउनके निमित तर्पण करवाएं। अपने दिवंगत की तस्वीर को सामने रखें। उन्हें चन्दन की माला अर्पित करें और सफेद चन्दन का तिलक करें। इस दिन पितरों को खीर अर्पित करें। खीर में इलायची, केसर, शक्कर, शहद मिलाकर बनाएं और गाय के गोबर के उपले में अग्नि प्रज्वलित कर अपने पितरों के निमित तीन पिंड बना कर आहुति दें। इसके पश्चात, कौआ, गाय और कुत्तों के लिए प्रसाद खिलाएं। इसके पश्चात ब्राह्मणों को भोजन करवाएं और स्वयं भी भोजन करें। भाद्रपद पूर्णिमा पर गंगा स्नान – भाद्रपद पूर्णिमा का महत्प दिन भगवान सत्यनारायण की पूजा करने से व्यक्ति को धन–धान्य की कमी नहीं रहती है। जो लोग पूर्णिमा के दिन व्रत करते हैं, उनके घर में सब प्रकार से सुख–समृद्धि का वास होता है। सारें कष्ट दूर होते हैं। इस दिन उमा–महेश्वर व्रत भी रखा जाता है। माना जाता है कि भगवान सत्यनारायण नें भी इस व्रत को किया था। इस दिन दान–स्नान का भी बहुत महत्व माना गया है। भादप्रद पूर्णिमा के दिन को इसलिए भी खास माना गया है क्योंकि इस दिन से श्राद्ध पक्ष का आरंभ होता है, और सोलह दिनों तक अपने पितरों से आशीर्वाद प्राप्त करने के दिन होते हैं।

ग्राम खोर में गुस्साई महिलाये उतरी सड़क पर किया चक्काजाम

खोर । जावद तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम खोर में आज सुबह उस समय आवागमन बंद हो गया जब इन्दिरा कॉलोनी की गुस्साई महिलाओं ने रोड़ जाम कर। अचानक हुए इस घटनाक्रम से अफरा तफरी मच गई। पंचायत के जिम्मेदार और पुलिस विभाग के कर्मचारियों ने मौके पर पहुंच समस्या निदान का आश्वासन दिया उसके पश्चात रोड़ पर आवागमन प्रारंभ हुआ। इस संदर्भ में ग्राम खोर के समाजसेवी व पत्रकार संजय पंड्या से चर्चा की तो उन्होने बताया कि ग्राम खोर में स्थित इन्दिरा कॉलोनी की मुख्य समस्या बरसात का पानी एक जगह एकत्रित होने से प्रारंभ हुई। इन्दिरा कॉलोनी में कुछ व्यक्ति जो पानी की निकासी नहीं होने दे रहै है। पानी की निकासी को पूरा रोक दिया जिससे सम्पूर्ण इन्दिरा कॉलोनी का पानी

व वर्तमान हो रही बरसात का पानी एक जगह एकत्रित हो रहा था । कॉलोनी में आवागमन का मार्ग कच्चा होने से एकत्रित पानी से कीचड़ ही कीचड़ व्याप्त हो गया। जिससे परेशान महिलाओं और रहवासियों ने रोड जामर मोर्चा खोल दिया। जैसे ही जाम की सूचना जिम्मेदारो को मिली तो वे मौके पर पहुंचे। जिसके बाद ये समझौता हुआ है रोड़ का काम चालू करेंगे, रोड बनाकरक समस्या का समाधान करेंगे पानी निकासी का माध यम बनाया जायेगा उसके पश्चात ही रहवासी रोड़ से हटे और आवागमन चालू हुआ। मौके पर पहुंचे नयागांव पुलिस चौकी प्रभारी गिरीवाल एवं टीम व ग्राम पंचायत सचिव खोर कमलेश धाकड़ और सरपंच प्रतिनिधि सत्यनारायण खोईवाल आदि ने मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना कर ग्रामीण जनों को संतुष्ट किया।

सड़क पर अब बसे नही बस मालिक उतरेंगे सरकार ने नही किया टैक्स माफ ,

नीमच। वैश्विक महामारी कोरोना में जँहा कई उद्योग बर्बादी की कगार पर आए वही बस व्यसाय भी इससे अछूता नही रहा,बाकी सभी व्यसायो और उधोगों ने तो पुनः अपना संचालन शुरू कर दिया लेकिन बस व्यसाय आज पाँच माह बीत जाने के बाद भी वही खड़ा है कारण है सरकार की बस व्यसाइयों के प्रति बेरुखी लॉकडाउन पीरियड का टैक्स माफ ना करके, आज पूरे प्रदेश में लगभ ३५ हजार बसें है जिससे जुड़े १ लाख ५० हजार बस मालिकों और कर्मचारियों के परिवार है जिनमे से कई लोगों की भूखे मरने की नोबत आ चुकी इसी बीच सरकार ने २० अगस्त को क्षमता के अनुसार बस संचालन की अनुमति दे दी और ३१अगस्त तक बकाया टैक्स जमा करने के निर्देश भी दे दिए है लेकिन सरकार अपनी हठधर्मिता नही छोड़ रही है टैक्स माफी के लेकर प्रदेश सरकार ने अभी तक कोई मसौदा तैयारनही किया ,ऐसे में एसोसिएशन के सभी सदस्यों ने बैठक आयोजित कर बसो को सरेंडर करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी,बस मालिकों ने १८ अगस्त को भोपाल पहुंचकर भी अपनी मांगे प्रदेश के परिवहन मंत्री गोविद सिंह राजपूत , वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा और लघु एवं सूक्ष्म उद्योग मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा के समक्ष रखी तब टैक्स माफी के लिए ३ दिन का आश्वासन दिया गया,आज लगभग १२ दिन बाद भी कोई निराकरण ना होने के कारण नीमच जिला बस ऑपरेटर एसोसिएशन के संरक्षक मुकेश गुप्ता, गोविंद बाहेती,ऋषि मोड़,चंचल बाहेती, विनोद ग्वाला,मनीष जैन,राजू हकवड़िया, राजू नागदा,अभिषेक कोठारी,रवि छाबड़ा,अखिल ,रफीक जमशेद,रवि वधवा,बालकिशन तम्बोली,अवि आजाद,अंकित बांगा,जीतू बना,रूपलाल गुर्जर व सभी सदस्य परिवहन कार्यलय पहुंचे और अपने साथी बस मालिक की बसों के सरेंडर के आवेदन परिवहन विभाग में श्री प्रकाश श्रीवास्तव को सौंपे आज शाम तक जिले के और भी बस ऑपरेटर अपनी अपनी बसों को संचालन न करने की स्थिती में सरेंडर कर देंगे। सरकार की इस बेरूखी को लेकर आज मीटिंग कर सभी बस ऑपरेटर ने अपना आक्रोश जताया और आगे होने वाले आंदोलन की रणनीति बनाई इनका कहना -म.प्र. शासन द्वारा बस ऑपरेटरो की टैक्स माफी की मांग को अभी तक नही माना है जिसके चलते आज नीमच जिले के अधिकांश बस मालिको ने अपनी बसों का संचालन ना कर परिवहन विभाग में सरेंडर कर दी जब तक टैक्स माफी नही होगी हम बसो का संचालन नही करेंगे चाहे इसके लिए हमे जेल भरो आंदोलन क्यों ना करना पड़े,सड़क पर अब बसे नही बस मालिक उतरेंगे। -मुकेश गुप्ता संरक्षक नीमच जिला बस ऑपरेटर एसोसिएशन-

नीमच में 13 कोरोना पॉजिटिव स्वस्थ होकर डिस्चार्ज,

नीमच ! नीमच जिले में कोरोना संक्रमण से स्वस्थ होने वाले व्यक्तियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। सोमवार को जिले में 13 कोरोना पॉजिटिव व्यक्तियों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया गया है। जिले में अब तक 1012 कोरोना संक्रमित मरीज पूरी तरह स्वस्थ होकर अपने घर लौट चुके हैं। वर्तमान में जिले में 181 एक्टिव केस हैं कोरोना संक्रमण से निपटने के चार प्रमुख स्तंभ आईडेंटिफिकेशन, आइसोलेशन,टेस्टिंग एवं ट्रीटमेंट पर जिला प्रशासन द्वारा विशेष फोकस किया गया है। नये कोरोना संक्रमित मरीजों को शीघ्र कांटेक्ट ट्रेसिंग कर उन्हें संस्थागत क्वारेंटाइन किया जा रहा है। सर्दी, खांसी, बुखार व कोरोना संदिग्ध मरीजों की प्राथमिक स्टेज में ही पहचान की जा रही है तथा उन्हें आइसोलेट कर नियमानुसार टेस्टिंग व ट्रीटमेंट का कार्य गंभीरता से किया जा रहा है।

जावरा अनुविभाग में अब तक १७४ संक्रमित मिले

29 अगस्त। जावरा अनुविभाग में शुक्रवार को एक नया कोरोना संक्रमित मरीज मिला, जो मलवासीपुरा क्षेत्र का 58 वर्षीय पुरुष है। बताया जा रहा है कि पहले कोरोना संक्रमित मिले मरीजों के संपर्क में था। स्वास्थ्य कर्मचारियों ने मरीज को इलाज के लिए रतलाम भेजा। वहीं मरीज के स्वजनों को होम क्वारंटाइन किया। जावरा अनुविभाग में अब तक 174 कोरोना पॉजिटिव केस सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग के अमले ने शुक्रवार को 42 लोगों के सैंपल लिए, जिन्हें जांच के लिए रतलाम लैब भेजा गया। जानकारी अनुसार 84 रिपोर्ट का इंतजार है।अंबिका सिटी होम व काशीराम कॉलोनी कंटेनमेंट क्षेत्र व बफर झोन के रहवासियों की जांच बीएमओ डॉ. दीपक पालड़िया ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग को गुरुवार रात में 82 कोरोना टेस्ट की रिपोर्ट प्राप्त हुई थी। इनमें चार की रिपोर्ट पॉजिटिव और 78 निगेटिव आई थी। स्वास्थ्य विभाग के शैलेंद्रकुमार दवे, अनिलकुमार पटेल, अकील मंसूरी, इमरान खान, सूरज भांवर व सरदार पटेल नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं ने अंबिका सिटी होम में बने नवीन कंटेनमेंट क्षेत्र के एक घर के पांच लोगों की थर्मल स्क्रीनिंग की। वहीं अंबिका सिटी होम क्षेत्र के बफर झोन के 19 घरों के 73 लोगों की भी जांच की गई। वहीं काशीराम कॉलोनी 17 घरों के 67 लोगों की जांच की गई।

शिवना ने किया पशुपतिनाथ का जलाभिषेक, गांधीसागर बांध के १४ गेट खुले

दूसरी बार शिवना नदी का पानी पशुपतिनाथ के गर्भगृह में पहुंचा।

30 अगस्त। मंदसौर। रविवार को मंदसौर जिले के कई हिस्सों में रिमझिम बारिश हो रही थी। इसके बाद भी शिवना, चंबल नदियों में उफान आ रहा है। गांधीसागर जलाशय के जलग्रहण क्षेत्रों इंदौर, उज्जैन, देवास, धार, रतलाम व अन्य क्षेत्रों में हो रही जोरदार बरसात के चलते गांधीसागर जलाशय में पानी की आवक 4 लाख क्यूसेक तक पहुंच गई है। बांध का जलस्तर

305 फीट पर स्थिर रखने के लिए पांच बडे और 9 छोटे गेट खोले गए है। अभी बांध से 2.34 लाख क्यूसेक पानी छोडा जा रहा है। चंबल नदी में पानी की आवक काफी तेज हो गई है। मंदसौर–सुवासरा मार्ग पर ग्राम बसई के पास स्थित पुल के नजदीक नदी का पानी पहुंच गया।इधर शिवना नदी भी उफान पर है। और एक सप्ताह में दूसरी बार श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर के गर्भगच्ह में प्रवेश कर गई। मंदिर में मूर्ति के नीचे के चार मुख जलमग्न हो गए थे। इसके बाद भी जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। इधर जिले में रविवार सुबह से रूक रूककर रिमझिम बरसात हो रही है।

एडीएम धोका निवृत्त, कलेक्टोरेट परिवार ने दी आत्मीय बिदाई

कलेक्टर एवं एस पी ने भेंट किया स्मृति चिन्ह

नीमच ३१ अगस्त २०२०, कलेक्टर कार्यालय नीमच के सभी अधिकारी कर्मचारियों ने अपर कलेक्टर श्री विनयकुमार धोका के ३७ वर्ष ८ माह की सेवा अवधि पूर्ण कर सेवा निवृत्त होने पर आत्मीय बिदाई दी गई। कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में सोमवार को आयोजित सादे समारोह में कलेक्टर श्री जितेन्द्रसिंह राजे व एसपी श्री मनोजकुमार राय ने एडीएम श्री विनयकुमार धोका का स्वागत कर उन्हे स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस मोके पर कलेक्टर श्री जितेन्द्रसिंह राजे ने कहा, कि श्री धोका नीमच जिले में गत चार वर्षो से सफलतापूर्वक सेवाएं दे रहे थे। वे एक सुलझे हुए अधिकारी है। वे हमेशा सक्रीय अधिकारी के रूप में पहचाने जाएगें। श्री धोका की कमी हमेशा महसूस होगी। नये अधिकारियों को श्री धोका के अनुभवों से सीखना चाहिए। कलेक्टर ने श्री धोका को सुखी समृद्ध एवं स्वस्थ्य जीवन की शुभकामनाएं भी दी पुलिस अधीक्षक श्री मनोजकुमार राय ने श्री विनयकुमार धोका का शासकीय सेवा दायित्वों के प्रति समर्पित एवं सतर्क अधिकारी बताते हुए कहा,कि नये अधिकरियो को श्री धोका की कर्तव्य परायणता से सीखना चाहिए। एस पी ने भी श्री धोका को सुखी समृद्ध एवं स्वस्थ्य जीवन की शुभकामनाए दी। अपर कलेक्टर श्री धोका ने नीमच जिले में अपने चार साल के सेवा कार्यो के अनुभवों को बताते हुए कहा, कि उन्होने हमेशा अपने वरिष्ठ अधिकारियों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का हर सम्भव प्रयास किया है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री एस एल शाक्ध्य तहसीलदार श्री अजय हिंगें एंव अन्य अधिकारी कर्मचारियां ने अपर कलेक्टर श्री विनय कुमार धोका को पुष्प गुच्छ भेंट कर उन्हे सेवानिवृत्ति पर आत्मीय बिदाई दी। कार्यक्रम का संचालन श्री संजय जोशी ने किया तथा अंत में श्री सनद कुमार पाण्डे ने आभार माना ।

फिल्मी दुनिया

सिद्धार्थ पिठानी का खुलासा, रिया चक्रवर्ती तक ऐसे पहुंचता था ड्रग्स

सीबीआई के अधिकारी एनसीबी के अधिकारियों से मुलाकात कर मामले पर चर्चा करेंगे।

बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले की जांच में अब ड्रग्स का नया एंगल जुड़ गया है। सीबीआई से जुड़े सूत्रों के अनुसार सुशांत राजपूत के फ्लैटमेट सिद्धार्थ पिठानी ने खुलासा किया कि रिया चक्रवती तक कैसे और कौन ड्रग्स पहुंचाता था। सुशांत सिंह राजपूत के मौत की मामले की जांच में रोज नए खुलासे हो रहे हैं। यह जांच अब ड्रग्स की तरफ मुड़ चुकी है। सूत्रों के अनुसार, पूछताछ के दौरान सिद्धार्थ पिठानी ने बताया कि रिया चक्रवर्ती सीधे ड्रग्स तस्करों के संपर्क में नहीं थी। वैसे रिया के बॉलीवुड से जुड़े ऐसे लोगों से संपर्क थे जिनके इन ड्रग्स तस्करों से अच्छे संबंध थे। रिया चक्रवर्ती कभी भी खुद ड्रग्स या मारिजुआना नहीं खरीदती थीं, बल्कि वह दीपेश सावंत,कुक नीरज, केशव और हाउस मैनेजर सैमुअल मिरांडा के जरिए ड्रग्स मंगाया करती थी। गोवा के होटल व्यवसायी गौरव आर्या से पूछताछ के बाद इससे जुड़ी कई बातें सामने आएगी। सीबीआई ने गौरव आर्या को आज पूछताछ के लिए बुलाया है और शाम को उनसे पूछताछ शुरू की जाएगी। एनसीबी यूनिट से मुलाकात करेगी सीबीआई टीम सीबीआई की टीम इस मामलमें ड्रग्स का एंगल सामने आने के बादे नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी)की टीम से मुलाकात करेगी। ड्रग्स की वजह से एनसीबी की टीम भी इस मामले की जांच कर रही है। इस वजह से सीबीआई के अधिकारी एनसीबी के अधिकारियों से मुलाकात कर मामले पर चर्चा करेंगे। एनसीबी को रिया चक्रवर्ती के ड्रग्स सप्लाय के बीच कनेक्शन का पता चला है। एनसीबी के अनुसार, सुशांत को देने के लिए रिया ने डार्कनेट के जरिए ड्रग्स मंगवाया था।

केबीसी के प्रोमो में अमिताभ बच्चन ने कहा – सेट बैक का जवाब कम बैक से दो

कोरोना काल में कोन बनेगो करोडपति का नया सीजन आने को तैयार है। इसके लिए सोनी टीवी धीरे–धीरे माहौल बना रहा है। शनिवार को शो का पहला प्रोमो जारी किया गया। इस प्रोमो में होस्ट अमिताभ बच्चन अपने चिर परिचित अंदाज में अपने सीट पर पर बैठे हुए हैं। वे इस बार एक नई थीम भी लेकर आए हैं। नए प्रोमो में अमिताभ बच्चन के साथ हॉट सीट पर एक प्रतिभागी भी नजर आ रहा है। प्रतिभागी पहले सवाल का जवाब देने के बाद 1000 रुपए जीतता है। अमिताभ पूछते हैं कि एक हजार रुपए जीतकर आप इतने खुश हो रहे हैं। प्रतिभागी कहता है– सर मैंने 500 रुपए से बिजनेस शुरू किया था और उसे 10 करोड़ तक ले गया था। फिर सब खत्म हो गया। इस बार कम से कम 1000 रुपए से सतो शुरू करूंगा तो आप ही सोचिए बिजनेस को कहां तक

ले जाऊंगा। इस पर अमिताभ कहते हैं– सच है दोस्तों, सेट बैक का जवाब कम बैक से दो। कोरोना संक्रमण के दौर में शुरू होने जा रहे इसशो की थीम इस बार सेट बैक का जवाब कम बैक से दो रखी गई है। कौन बनेगा करोड़पति की शूटिंग नए गाइडलाइंस के मद्देनजर होगी। आपको बता दें कि सोनी टीवी के फेमस शो की शूटिंग शुरू हो गई है, लेकिन सेट पर काफी सावध ानियां बरती जा रही हैं। इस बीच अमिताभ बच्चन ने ब्लॉग लिखकर इस बात की जानकारी दी है। इसके अलावा उन्होंने सोशल मीडिया पर शूटिंग की फोटो भी साझा किया। उन्होंने लिखा कि अब शुरू हो गया है और काम पर वापसी और केबीसी–12 वहीं, ब्लॉग में उन्होंने शूटिंग सेट के बारे में बताया है।

बिजनेस / टेक्नॉलॉजी

जीएसटी भुगतान में देरी होने पर १ सितंबर से लगेगा ब्याज

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में पीएसटी काउंसिल की बैठक जारी है। बैठक में इस एकसूत्री एजेंडा पर विचार किया जा रहा है कि राज्यों को राजस्व क्षतिपूर्ति में होने वाली कमी की भरपाई कैसे की जाए। बैठक में बाजार से कर्ज, सेस की दर में वृद्धि या कंपनसेशन सेस के दायरे में आने वाले वस्तुओं की संख्या में वृद्धि पर विचार हो सकता है। कपड़ा, जूता–चप्पल जैसे कुछ उत्पादों पर तैयार उत्पादों के मुकाबले कच्चे माल पर अधिक दर से कराधान को ठीक करने पर भी चर्चा होने की संभावना है। इस बीच, सरकार ने कहा है कि जीएसटी के भुगतान में देरी होने पर एक सितंबर से कुल टैक्स देनदारी पर ब्याज लगेगा। 2020 की शुरुआत में उद्योग ने जीएसटी भुगतान में देरी पर लगभग 46,000 करोड़ रुपये के बकाया ब्याज की वसूली के निर्देश पर चिंता जताई थी। ब्याज कुल देनदारी पर लगाया गया था। केंद्र और राज्य के वित्त मंत्रियों वाली जीएसटी काउंसिल ने मार्च में अपनी 39वीं बैठकमें निर्णय लिया था कि एक जुलाई, 2017 से कुल टैक्स देनदारी पर जीएसटी भुगतान में देरी के लिए ब्याज लिया जाएगा और इसके लिए कानून को संशोधित किया जाएगा। हालांकि, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) ने 25 अगस्त को अधिसूचित किया कि एक सितंबर, 2020 से कुल टैक्स देनदारी पर ब्याज लिया जाएगा। एएमआरजी एंड एसोसिएट्स के सीनियर पार्टनर रजत मोहन ने कहा कि यह अधिसूचना जीएसटी काउंसिल के फैसलों से अलग लग रही है, जिसमें करदाताओं को यह भरोसा दिलाया गया था कि उक्त लाभ एक जुलाई, 2017 से प्रभावी होंगे।

टीकटॉक को खरीदने के लिए के माईक्रसॉफ्ट के साथ वॉलमार्ट ने भी दिखाई दिलचस्पी

टीकटॉक शॉर्ट वीडियो मैसेजिंग एप टिकटॉक में हिस्सेदारी लेने के लिए वॉलमार्ट ने भी दिलचस्पी दिखाई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने का आदेश दिया है, इससे बचने के लिए मूल कंपनी बाइटडांस को 90 दिनों में अपना अमेरिकी कारोबार किसी अमेरिकी कंपनी को बेचना होगा। वॉलमार्ट ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि माइक्रोसॉफ्ट और टिकटॉक के साथ सौदा उसके विज्ञापन व्यवसाय को बढ़ाने और अधिक दुकानदारों तक पहुंचने

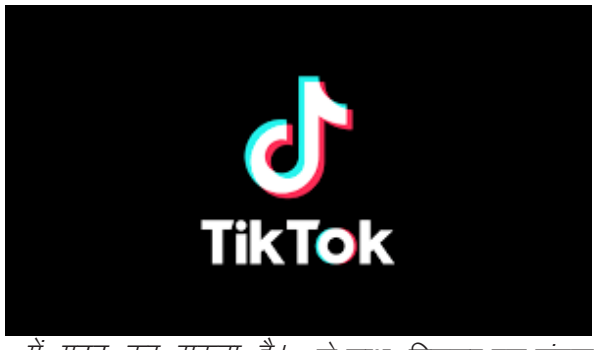

में मदद कर सकता है। अमेरिका में टिकटॉक के 10 करोड़ यूजर्स हैं। माइक्रोसॉफ्ट के अलावा टिकटॉक के अमेरिकी परिचालन को खरीदने में तकनीकी कंपनी ओरेकल ने भी रुचि दिखाई है। इस सौदे से जुड़े एक व्यक्ति ने बताया कि दुनिया के सबसबड़े रिटेलर वॉलमार्ट ने टिकटॉक के अमेरिकी कारोबार को खरीदने के लिए माइक्रोसॉफ्ट के साथ मिलकर एक संयुक्त बोली लगाई है। यह गठजोड़ थोड़ाअजीब लग सकता है, लेकिन माइक्रोसॉफ्ट और वॉलमार्ट पहले ही व्यापार भागीदार हैं। माइक्रोसॉफ्ट क्लाउड कंप्यूटिंग सेवाएं प्रदान करता है, जो रिटेलर के स्टोर और ऑनलाइन शॉपिंग कारोबार को चलाने में मदद प्रदान करता है। दोनों कंपनियों ने 2018 में पांच साल के लिए साझेदारी की थी।

रूस ने दुनिया के सबसे बडे परमाणु बम विस्फोट का वीडियो जारी किया।

रूस ने दुनिया के सबसे बड़े परमाणु बम विस्फोट का वीडियो अब दुनिया के सामने जारी कर दिया है। इस वीडियो में उस परमाणु बम विस्फोट की पूरी जानकारी भी दी गई है। इसका परीक्षण 30 अक्टूबर 1961 को किया गया था, जब सोवियत संघ और अमेरिका के बीच शीत युद्ध चरम पर था। यह हिरोशिमा पर अमेरिका द्वारा गिराए गए परमाणु बम से 3300 गुना ज्यादा शक्तिशाली था। रूस ने बैरंट सागर में इसका परीक्षण किया था और इसकी विनाशक क्षमता को देखते हुए इसे धरती के खात्मे का हथियार कहाजाता है। रूस का यह इवान परमाणु विस्फोट दुनिया में हुए परमाणु विस्फोट में सबसे शक्तिशाली है। यह बम करीब 50 मेगावाट टन का था और यह 5 करोड़ टन परंरपरागत विस्फोटकों के बराबर ताकत से फटा था। रूसी विमान ने इस परमाणु बम को आर्कटिक समुद्र में नोवाया जेमल्या के उपर बर्फ में गराया था। इसे Tsar Bomba नाम दिया गया था। इस टॉप सीक्रेट मिशन को लेकर रूस के रोस्तम स्टेट एटॉमिक एनर्जी कॉर्पोरेशन ने 20 अगस्त को 30 मिनट की डॉक्युमेंट्री जारी की है। रूसी बमवर्षक विमान टीयु–95ट में बदलाव किए गए थे और इस बम को पैराशूट की मदद से छोड़ा गया ताकि विमान सुरक्षितदूरी तक निकल जाए। कैमरों को सैकड़ों मील दूरी पर लो लाइट पोजीशन में रखा गया था ताकि वे विस्फोट की चमक से प्रभावित न हो जाएं। इन शक्तिशाली कैमरों ने 40 सेकंड तक आग के गोले का वीडियो बनाया जो बाद में मशरूम के आकार में बदल गया। इस विस्फोट स्थल से 100 मील की दूरी पर स्थित

एक विमान ने मशरूम के आकार का गुबार का वीडियो बनाया। इस विस्फोट के फुटेज कारूस ने 6 दशकों तक टॉप सीक्रेट रखा था। इस 30 मिनट की डॉक्युमेंट्री में 20 मिनट के बाद परमाणु विस्फोट के दृश्य नजर आत हैं। यह परीक्षण उस दौर में किया गया था जब सोवियत संघ और अमेरिका के बीच शीत युद्ध चरम पर था।सोवियत संघ ने अपनी ताकत दिखाने के लिए यह परीक्षणकिया था। कहा जाता है कि यह बम 100 मेगाटन उर्जा पैदा करने की क्षमता रखता था, लेकिन इसके बर्बादी के स्तर को देखने के लिए वैज्ञानिकों ने इसकी क्षमता को घटाकर आधा कर दिया था।

जापान के पीएम शिंजो आबे ने दिया इस्तीफा

29 अगस्त। शिंजो आबे अभी 65 साल के हैं और बतौर प्रधानमंत्री 7 साल 6 महीने का कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। यानी वे 2803 दिन से पद पर बने हुए हैं। जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने पीएम पद से इस्तीफा दे दिया है। वे लंबे समय से आंत की बीमारी से पीड़िता है। शिंजो आबे का कहना है कि वे नहीं चाहते कि खराब सेहत का असर काम पर पड़े। शुक्रवार सुबह ही खबर आई थी कि शिंजो आबे ने पीएम पद छोड़ने की इच्छा जाहिर की है। जापानी मीडिया के हवाले से यह जानकारी दी जा रही है। एनएचके और अन्य जापानी मीडिया की रिपोर्टों में कहा गया था कि शिंजो आबे ने शुक्रवार को अपनी गिरती सेहत के कारण पद छोड़ने की इच्छा व्यक्त की है। हालांकि तमाम अटकलों पर तब विराम लग गया, जब खुद शिंजो आबे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इसका ऐलान कर दिया। शिंजो आबे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मेरे कार्यकाल का अभी एक साल और बाकी है। इस एक साल में बहुत कुछ किया जा सकता है और मैं नहीं चाहता कि खराब सेहत से काम प्रभावित हो। इसलिए मैंने पद छोड़ने का फैसला किया है। बता शिंजो आबे आंत से जुड़ी अल्सरट्रेटिव कोलाइटिस बीमारी से पीड़ित हैं। इस बीमारी का सही इलाज उपलब्ध नहीं है। पिछले कुछ महीनों में यह समस्या बढ़ गई है। इसी महीन दो बार उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। यही कारण है कि बीते 50 दिनों में उन्होंने किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लिया। शिंजो आबे ।इम अभी 65 साल के हैं और बतौर प्रधानमंत्री 7 साल 6 महीने का कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। यानी वे 2803 दिन से पद पर बने हुए हैं।

पूरे देश में सितंबर महीने को पोषण माह के रूप में मनाया जाएगा - मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में कहा कि सितंबर महीने को पूरे देश में पोषण माह के रूप में मनाया जाएगा। देश और पोषण का बहुत गहरा संबंध होता है। जैसा अन्न होता है, वैसा ही हमारा मानसिक और बौद्धिक विकास भी होता है। विशेषज्ञ कहते हैं कि शिशु को गर्भ में और बचपन में जितना अच्छा पोषण मिलता है, उतना ही अच्छा उसका मानसिक विकास होता है और वो स्वस्थ रहता है। बच्चों के पोषण के लिए भी उतना ही जरूरी है कि मां को भी पूरा पोषण मिले। पूरे देश में सितम्बर महीने को पोषण माह – के रूप में मनाया जाएगा।

श्री मोदी ने कहा, पोषण या छनजतप जपवद का मतलब केवल इतना ही नहीं होता कि आप क्या खा रहे हैं, कितना खा रहे हैं, कितनी बार खा रहे हैं। इसका मतलब होता है कि आपके शरीर को कितने जरूरी पोषक तत्व मिल रहे हैं। पोषण माह में पौष्टिक खाने और स्वस्थ रहने के लिए हम सभी को प्रेरित करें। पोषण का मतलब केवल इतना ही नहीं होता कि आप क्या खा रहे हैं, कितना खा रहे हैं कितनी बार खा रहे हैं । इसका मतलब है आपके शरीर को कितने जरुरी पोषक तत्व, मिल रहे हैं ।

मध्य प्रदेश में एक दिन में कोरोना के रिकॉर्ड 1442 मरीज मिले

३० अगस्त। भोपाल मध्य प्रदेश में शनिवार को कोरोना के १४४२ मरीज मिले हैं। यह अब तक एक ही दिन में मिले सबसे ज्यादा मरीज हैं। इसके पहले २५ अगस्त को सर्वाधिक १३७४ मरीज मिले थे। शनिवार को २७१५२ सैंपलों की जांच में रिकॉड मरीज सामने आए हैं। इसके पहले एक दिन में इतने सैंपलों की जांच कभी नहीं हुई। गत २४ घंटे के भीतर प्रदेश में २२ मरीजों की कोरोना से मौत हुई है, वहीं १०१७ मरीजों की स्वस्थ होने के बाद अस्पताल से छुट्टी कर दी गई। २० अगस्त से २५ अगस्त के बीच कोरोना मरीजों का आंकड़ा हर दिन नए रिकॉर्ड पर पहुंचा। २६ से २८ अगस्त के बीच मरीजों में कुछ कमी आई, लेकिन शनिवार को फिर कोरोना ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। स्वास्थ्य विभाग के अफसरों ने बताया कि शनिवार को अन्य दिनों के मुकाबले करीब पांच हजार सैंपलों की जांच ज्यादा हुई है, इस कारण अधिक मरीज मिले हैं। प्रदेश में लिए गए सैंपलों में हर दिन पांच फीसद या इससे ज्यादा लोग पॉजिटिव आ रहे हैं। एंटीजन किट आने के बाद जांच आसान हो गई है, इस कारण जांचों की संख्या बढ़ी है। मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी है, पर स्वस्थ होने में मरीजों को १० से १४ दिन लग रहे हैं। इस कारण इलाजरत मरीजों की संख्या १३११७ पहुंच गई है। कुल संक्रमित ६० हजार के पार प्रदेश में अब संक्रमितों की कुल संख्या ६०,८७५ हो गई है। अब तक १३४५ मरीजों की मौत हुई है। यानी कुल संक्रमितों में २.२ फीसद की मौत हुई है। ७६ फीसद मरीज स्वस्थ हो चुके हैं।

अधिक खबरों के लिए प्ले स्टोर से हमारा एप्प डॉउनलोड करे और पाए क्षैत्र ,देश व दुनिया की हर खबर सबसे पहले , सबसे तेज।

NEEMUCH HEADLINES

नीमच हेडलाइंस

सम्पर्क – 9893796737

इंदौर में मिले 265 कोरोना पॉजिटिव मरीज, मास्क न पहनने पर बढ़ा जुर्माना

इंदौर । में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। शुक्रवार को 226 मरीज मिलने के बाद शनिवार को आंकड़ा 265 पर पहुंच गया। 2577 संदिग्ध मरीजों की जांच में इतने मरीज सामने आए हैं, वह पांच मरीजों की मौत की पुष्टि के बाद आकड़ा 389 पर पहुंच गया है। जिन पांच मरीजों की मौत हुई उनमें से तीन मरीज से अधिक मरीज मिले हैं। पिछले पाच दिनों में दूसरी बार 265 मरीज मिले हैं। शनिवार रात जारी बुलेटिन के अनुसार अब तक 210428 संदिग्ध मरीजों के सैंपल जांचे जा चुके हैं। इनमें से 12720 मरीज पॉजिटिव आए हैं। अस्पताल से 8847 मरीज स्वस्थ होकर घर जा चुके हैं। चेहरे पर मास्क न लगाने पर अब 200 रुपये जुर्माना कोरोना महामारी को देखते हुए इंदौर जिले में नागरिकों द्वारा सार्वजनिकस्थानों पर चेहरे पर मास्क नहीं लगाने पर 200 रुपये जुर्माना किया जाएगा। अब तक यह जुर्माना 100 रुपये था। इस संबंध में कलेक्टर मनीष सिंह ने शनिवार को संशोधित आदेश जारी किया। इसमें कहा गया है कि सार्वजनिक स्थानों, कार्यालयों, कारखानों आदि कार्य क्षेत्रों में बिना मास्क पहने पाए जाने पर प्रति व्यक्ति 200 रुपये स्पॉट फाइनकिया जाएगा। मास्क मुंह के नीचे करके और शारीरिक दूरी का उल्लंघन करके आपस में बात करने वाले लोगों पर भी 200 रुपये जुर्माना लगाया जाएगा। शहर में नगर निगम, नगरीय निकाय के अधिकारियों और ग्रामीण क्षेत्र में एसडीएम या उनके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी को स्पॉट फाइन करने का अधिकार दिया गया है।

स्वत्वाधिकारी , मुद्रक , प्रकाशक , सम्पादक अविनाश जाजपुरा के द्वारा यश प्रिन्टीगं प्रेस स्कीन नम्बर ३६ ए कलेक्टर कार्यालय के सामने से मुद्रीत एवं कास्मों स्कुल के पास इन्द्रा नगर नीमच से प्रकाशित / संपर्क 9893796737 (सभी विवादो को न्यायिक क्षैत्र नीमच रहेगा।)